



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

ग्रसान्धारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राचिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० १५१]

नई विल्ली, मंगलवार, अगस्त 25, 1970/भाद्र 3, 1892

No. १५१]

NEW DELHI, TUESDAY, AUGUST 25, 1970/BHADRA 3, 1892

इस भाग में अलग पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह घलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation.MINISTRY OF FOOD, AGRICULTURE, COMMUNITY DEVELOPMENT AND
CO-OPERATION

(Department of Food)

ORDER

New Delhi, the 25th August 1970

G.S.R. 1228.—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Essential Commodities Act 1955(10 of 1955), the Central Government hereby makes the following Order further to amend the Southern States (Regulation of Export of Rice) Order, 1964 namely:—

1. (1) This Order may be called the Southern States (Regulation of Export of Rice) Amendment Order, 1970.

(2) It shall come into force at once.

2. In the Southern States (Regulation of Export of Rice) Order, 1964, for clause 3, the following clause shall be substituted, namely:—

“3. **Restrictions on Export of Rice from specified area.**—No person shall export or attempt to export or abet the export of rice from any place within a specified area to a place outside that area except under, and in accordance with, a permit issued by:—

(i) the Central Government or by an Officer authorised by it in this behalf; or

(ii) the State Government concerned or by an Officer authorised in this behalf by that Government subject to the condition that such exports under permits shall be regulated in accordance with such directions as may be issued by the Central Government in this behalf from time to time.”

[No. 203(AP)(1)/23/70-PY.II]

R BALASUBRAMANIAN, Jt. Secy.

खात्र, हृषि, सामुदायिक विकास तथा सहकारिता मंत्रालय
(खात्र विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 25 अगस्त, 1970

सां० क्र० नि० 1228.—प्रावध्यक वस्तु अधिनियम, 1955 (1955 का 10) का धारा 3 द्वारा प्रदत्त शर्कितों का प्रयोग करने हुए, केन्द्रीय सरकार दक्षिणी राज्य (चावल के निर्यात का विनियमन) आदेश, 1964 में और आगे मशोधन करने के लिए एनद्वारा निम्नलिखित आदेश बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) यह आदेश इशिंगो राज्य (चावल के निर्यात का विनियमन) मशोधन आदेश, 1970 कहा जा सकेगा ।
(2) यह तुरन्त प्रवृत्त होगा ।

2. दक्षिणी राज्य (चावल के निर्यात का विनियमन), आदेश 1964 में, खण्ड 3 के म्यान पर निम्नलिखित खण्ड प्रतिस्थापित किए जाएंगे, अर्थात् :—

“3. विनियिक्षण क्षेत्रों से चावल के निर्यात पर निर्बन्धन—कोई भी व्यक्ति विनियिक्षण धेव के भीतर किसी स्थान से उस क्षेत्र के बाहर के किसी स्थान को, निम्नलिखित द्वारा जारी किए गए अनुज्ञापत्र के अधीन और उसके अनुसार के सिवाय चावल का न तो निर्यात और ने उसके निर्यात का पथन और न निर्यात का दुष्प्रेरण करेगा—

- (i) केन्द्रीय सरकार या उसके द्वारा इस निमित्त प्राधिकृत किसी आफिसर द्वारा,
या
- () सम्बन्धित राज्य सरकार या उस सरकार द्वारा इस निमित्त प्राधिकृत किसी
आफिसर द्वारा इस धर्म के अध्यधीन कि अनुज्ञापत्रों के अधीन ऐसे निर्यात
केन्द्रीय सरकार द्वारा ममत-समय पर इस तिमिज जारी किए जाने वाले ऐसे
निदेशों के अनुसार विनियमित किए जाएंगे ।”

[म० 203(प० पी०) (1)/23/70—पी० वाई-II]

आर० बालसुभमनियत, मयुक्त मंचित ।